हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

11 डॉ यादव ने दयानंद की विचारधारा को आगे बढ़ाने...

12 मॉडर्न स्कूल में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

हवाओं की दिशा व गति में बदलाव

वायु गुणवत्ता सूचकांक में आया सुधार, जिले का एक्यूआई 63 पर आया

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

दीपावली पर आतिशबाजी की आड़ में पराली जलाने की गतिविधियों में इजाफा हुआ। इससे जिले में एक्यूआई खराब स्थिति में पहुंच गया था, लेकिन वीरवार व शुक्रवार को हवाओं की दिशा में बदलाव आने से वायु गुणवत्ता सूचकांक में सुधार आया है। वीरवार को एक्यूआई जहां 65 और शुक्रवार को 63 दर्ज हुआ। मौसम विभाग के अनुसार अब कुछ दिन ऐसा ही मौसम बना रहेगा। हवाएं अब पश्चिम की ओर से आने लगी हैं। 27 तक मौसम शुष्क रहेगा। 27 के बाद पश्चिमी विक्षोभ की संभावना है। इससे 29 अक्टूबर को बारिश होने की संभावना है। जिससे अब स्माग छट जाएगा।

जिले में आसमान साफ हो गया

बता दें कि हवाओं का रूख बदलते ही एयर क्वालिटी में भी सुधार हो गया है। दो दिन पहले जहां जिले में एक्यूआई पूरे देश में तीसरे नंबर पर था, जो अब गिरकर 63 पर आ गया है। ऐसे में दीपावली से पहले व उसके बाद खराब हुई शहर की आबोहवा अब ठीक हो गई है। जिससे लोगों ने वायु प्रदूषण से राहत की सांस ली है। ऐसा हवाओं का रूख बदलने से हुआ है। दो दिन पहले तक उत्तरी क्षेत्र से हवाएं चल रही थी, जो अब पश्चिमी क्षेत्र से चलने लगी हैं। ऐसे में प्रदेश के अन्य जिलों में जलाई जाने वाली पराली की धुआं ने भी रूख बदल लिया। जिससे जिले में आसमान साफ हो गया।

हवा पांच से 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने से राहत

दीपावली के बाद 400 पार कर गया था जिले में वायु गुणवत्ता सूचकांक

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि वर्तमान में हवा की गति पांच से 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने से प्रदूषण को कम करने में मदद मिली है। हालांकि हवा की दिशा व गति में बदलाव के कारण प्रदूषण में वृद्धि हो सकती है, इसलिए आने वाले दिनों में वायु गुणवत्ता पर नजर रखना जरूरी है। अक्टूबर महीने के अंत व नवम्बर माह की शुरूआत में मौसम में बदलाव तथा हवाओं की दिशा व गति में बदलाव होने की सम्भावना बन रही है। जिसके चलते प्रदूषण के स्तर में गिरावट व वायु गुणवत्ता सूचकांक में सुधार देखने को मिलेगा। जिले वायु गुणवत्ता सूचकांक में हवाओं की दिशा व गति में बदलाव से काफी सुधार देखने को मिला है। दीपावली पर्व पर प्रदूषण के स्तर में बड़ी बढ़ोतरी हुई थी। जिससे वायु गुणवत्ता सूचकांक 390 गंभीर स्थिति में पहुंच गया था।

अब शहर से स्मॉग छंटा

आमजन ने ली राहत की सांस

हवाओं का रूख बदलने के बाद जिले में छाया जहरीला स्मॉग छंट गया है। इससे पहले वायु प्रदूषण के चलते अस्थमा व दिल के मरीजों को परेशानी होने लगी थी। वहीं आमजन को आंखों में भी जलन होने लग गई थी, लेकिन अब हवा साफ होने पर आमजन ने राहत की सांस ली है।

खबर संक्षेप

अरावली स्कूल के बच्चों ने जीते गोल्ड मेडल

महेंद्रगढ़। अरावली स्कूल के दो विद्यार्थियो ने नोर्थ इंडिया कराटे चैंपियनशिप 2025 अंडर 14 में चिराग व अंडर 10 वंश ने गोल्ड मेडल हासिल किया है। यह जानकारी देते हुए स्कूल के सीईओ महेश कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता हरिद्धार में आयोजित हुई थी। उन्होंने कहा कि एक बार फिर से अरावली स्कूल ने अपना लोहा मनवाते हुए कराटे प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल हासिल किए है। स्कूल प्रांगण में पहुचने पर बच्चों का जोरदार स्वागत किया गया। संस्था के चेयरमैन अशोक कुमार ने बच्चों को स्मृति चिह्न देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अमरपुर जोरासी स्टेशन पर मिल अज्ञात शव

नारनौल। अमरपुर जोरासी रेलवे स्टेशन के समीप जीआरपी ने एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। उसकी आयु लगभग 70–72 साल है। शरीर से काफी दुबला–पतला है तथा उसके पटरियों पर दोनों पैर कटे हुए मिले हैं। प्रातः करीब 11 बजे सूचना पर जीआरपी की टीम घटनास्थल पर पहुंची तथा आवश्यक कार्रवाई शुरू की। अभी शिनाख्त नहीं हो सकी है। जीआरपी की एलएचसी अनीता ने बताया कि सुबह 11 बजे एक शव अमरपुर जोरासी किलोमीटर नंबरः 1278/16-18 के बीच मिली है। यह डैडबॉडी रेलवे स्टेशन न्यू अटेली-न्यू डाबला के बीच डीएफसी की लाइनों पर मिली है। शव को सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखी गई है तथा शिनाख्त के प्रयास जारी हैं।

शहर में सीवरेज के ओवरफ्लो बदबूदार सड़कों पर बहती गंदगी से परेशान हैं आमजन और व्यापारी

जनस्वास्थ्य विभाग के कारण शहरवासी नारकीय जीवन जीने को मजबूर, चांदुवाड़ा का बुरा हाल

मोहल्ला चांदुवाड़ा में पिछले करीब दो महीने से सड़कों पर सीवरेज का गंदा पानी बह रहा। यहां पैदल चलना तो बहुत दूर की बात है। इस मार्ग से दोपहिया वाहन का निकलना भी बड़ा मुश्किल।

अधिकारी मस्त और जनता त्रस्त, जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन की सेहत पर कोई असर नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जनस्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के कारण आजकल शहर नरक बना हुआ है। जहां देखो सीवरों से बदबूदार गंदा पानी सड़कों पर बहता रहता है। आजकल मोहल्ला चांदुवाड़ा का तो बेहद बुरा हाल बना रखा है। यहां से आने-जाने वाले लोग नाक पर रुमाल लगाकर निकलने को मजबूर हैं। जानकारी के अनुसार मोहल्ला चांदुवाड़ा में पिछले करीब दो महीने से सड़कों पर सीवरेज का गंदा पानी बह रहा है। इस मोहल्ले में पैदल चलना तो बहुत दूर की बात है।

इस मार्ग से दोपहिया वाहन का निकलना भी बड़ा मुश्किल है। यहां के लोगों ने जनस्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन को बार-बार सोशल मीडिया व उनके कार्यालय में जाकर उन्हें इन सीवरेज के ओवरफ्लो बहती गंदगी के हालातों से अवगत कराया, परंतु दुर्भाग्य की बात है कि या तो यहां के अधिकारियों की आत्मा सोई हुई है या अधिकारी सरकार व प्रशासन के नियंत्रण से बाहर हो चुके हैं। विभागीय अधिकारी और कर्मचारी इतने बेफिक्र हैं कि उन्हें किसी का कोई डर नहीं और न ही वह किसी की परवाह करते हैं। लोगों ने तंग आकर आखिरकार वीरवार शाम को मोहल्ला चांदुवाड़ा में सड़क के दोनों और व्हीकल खड़े कर रास्ते को जाम कर दिया। इससे उस मार्ग पर आने जाने वाले लोगों को तो परेशानी हुई, लेकिन विभाग, जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की सेहत पर इसका कोई असर नहीं हुआ। यह कोई एक जगह के हालात नहीं, अपितु शहरभर में यह समस्या बनी हुई है। महावीर मार्ग से पुल बाजार की तरफ केसी गारमेंट्स शोरूम के पास, मोहल्ला चांदुवाड़ा में डॉ. नरूला की कोठी के सामने, मोहल्ला रावका आदि किसी भी गली, मोहल्ले में चले जाइए ऐसे गंदगी भरे नजारे हर जगह मिल जाएंगे।

नारनौल। चांदुवाड़ा में सड़क पर भरी सीवर की गंदगी। फोटो : हरिभूमि

लोगों में बना है रोष

स्थानीय लोग पैदल गुजरने को विवश हो रहे

चांदुवाड़ा निवासी मुकेश गोयल, संदीप शुक्ला, सुमित गोयल, श्रीकांत शुक्ला, अजय शर्मा आदि ने रोष व्यक्त करते हुए बताया कि ओवरफ्लो सीवर की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। दीपावली के दौरान इस मोहल्ला से लोगों खासकर पैदल राहगीरों का बाजार की तरफ खूब आवागमन होता था, लेकिन कमाल की बात है कि जनस्वास्थ्य तथा नगर परिषद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कभी इस ओर ध्यान नहीं दिया। इस कारण गली में सीवर की गंदगी बहती रही और इससे दुर्गंध उड़ती रही, जो लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी। इस बाबत अधिकारियों को फोन किए, वीडियो बनाकर भेजे, लेकिन किसी ने टस से मस होने का नाम नहीं लिया। यही वजह है कि आज भी यह समस्या ज्यों की त्यों बरकरार है और लोग सीवर की गंदगी में से ही पैदल गुजरने को विवश हो रहे हैं।

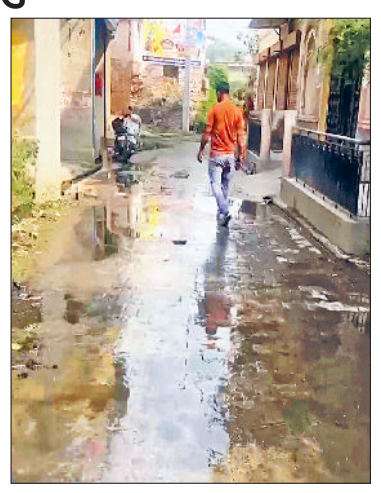

नारनौल। रामलीला ट्रस्ट के समीप सीवरयुक्त गंदगी से गुजरता व्यक्ति। फोटो : हरिभूमि

लाइन अंदर से डैमेज है, ठीक कराने के लिए काम शुरू कर दिया

चांदुवाड़ा की सीवर की समस्या से वे अवगत हैं। आज ही उसकी मरम्मत का कार्य शुरू करवाया गया है। इस गली में जो टेलरों की दुकानें हैं, वहां लाइन अंदर से डैमेज है, उसे ठीक कराने के लिए काम शुरू कर दिया है। जल्द ही इस पर काबू पा लिया जाएगा।

–आकाश, जेई, जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, नारनौल।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

इन्वर्टर-बैटरी की दुकान से लाखों रुपये का सामान चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल–महेंद्रगढ़ रोड पर बसे हुडिना गांव में देव फिलिंग स्टेशन के नजदीक इन्वर्टर-बैटरी की दुकान में लाखों रुपये के सामान की चोरी हो गई। इस बारे में पीड़ित गांव डेरोली जाट निवासी ओमवीर ने पुलिस में शिकायत दी है। ओमवीर ने पुलिस को बताया कि उसकी देव पेट्रोल पंप के पास इन्वर्टर बैटरी और रिपेयर की दुकान स्थित है। बीती रात को चोरों ने उसकी दुकान से सामान चुरा लिया। वह सुबह करीब नौ बजे दुकान पहुंचा तो अंदर का सामान अस्त-व्यस्त मिला।

यह सामान उड़ाया

उसने दुकान की जांच की तो पाया कि दुकान से इन्वर्टर की दो नई बैटरियां, पांच गाड़ी बैटरियां, पांच माइक्रोटेक इन्वर्टर, 15 से 20 किलो तांबा, छह पैकेट टर्मिनल (पीतल के), दो ग्राइंडर, पांच एल्टीनेटर और सेल्फ का सामान चोरी हो गया है। चोरी गए सामान की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। पीड़ित ने फैजाबाद पुलिस चौकी में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

सोनम यादव ने हासिल की पीएचडी डिग्री

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव बिहाली निवासी पुलिस निरीक्षक सुभाष यादव की बेटी सोनम यादव ने कम्प्यूटर साइंस में पीएचडी की डिग्री हासिल कर गांव का गौरव बढ़ाया है। बाबा मस्तनाथ विवि में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री सैनी ने डिग्री प्रदान की। सोनम के पिता सुभाष यादव ने बताया कि सोनम ने स्कूली शिक्षा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से पूरी की। एमएससी मदवि, रोहतक से व पीएचडी बाबा मस्तनाथ विश्व विद्यालय अस्थल बोहर रोहतक से की है। सोनम उच्च शिक्षा प्राप्त कर अध्यापन के क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करना चाहती है। सोनम ने उपलब्धि का श्रेय माता पिता व हरियाणा शिक्षा बोर्ड के पूर्व अधीक्षक रतन लाल यादव को दिया है।

आवश्यक दिशा निर्देश दिए

सीजेएम ने नशा मुक्ति केंद्र व अन्य स्थानों का किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने नागरिक अस्पताल में स्थित नशा मुक्ति केंद्र, सिंघाना रोड पर स्थित श्री माधव कल्याण समाज ट्रस्ट, सेफ हाउस पुलिस लाइन नारनौल, सेवा सीनियर नागरिक गृह नसीबपुर व वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया। नीलम कुमारी ने नागरिक अस्पताल में स्थित नशा मुक्ति केंद्र का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पुलिस लाइन में स्थित सेफ हाउस का दौरा कर

उन्होंने यहां उपलब्ध सुविधाओं, जैसे कानूनी सहायता, चिकित्सा सुविधा और परामर्श सेवाओं की जानकारी ली। सीजेएम ने सीनियर नागरिक गृह नसीबपुर का भी दौरा किया। उन्होंने वहां वरिष्ठ नागरिकों से बातचीत की। उन्होंने श्री माधव कल्याण समाज ट्रस्ट व वन स्टॉप सेंटर का दौरा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

विश्व पोलियो उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

विश्व पोलियो दिवस का उद्देश्य बच्चों को पोलियो से बचाना: डॉ चंद्रमोहन

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय के रेड रिबन क्लब के सानिध्य और त्रिदेव फिटनेस व्यामशाला के सहयोग से विश्व पोलियो दिवस पर प्राचार्य डॉ. पूर्ण प्रभा की अध्यक्षता में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। रेड रिबन क्लब के नोडल अधिकारी प्रोफेसर डॉ. चंद्र मोहन ने बताया कि विश्व पोलियो दिवस का उद्देश्य पोलियो के प्रति जागरूकता फैलाना और बच्चों को बचाना है। इसका समय पर इलाज और टीकाकरण न किया जाए, तो यह बीमारी बच्चों को पैरालिसिस यानी लकवा जैसी गंभीर स्थिति में डाल सकती है। व्यायामशाला के निदेशक राव विरेन्द्र सिंह ने कहा कि इस पोलियो जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों में पोलियो और अन्य संक्रामक बीमारियों के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना और बच्चों के समय पर टीकाकरण पर जोर देना है।

नशामुक्ति व पोलियो जागरूकता शपथ दिलवाई

ट्रेनर रोहित यादव व डाइटिशियन आनंद यादव ने बताया कि एक गंभीर बीमारी है, जो बच्चों की विकास प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। माता-पिता अपने बच्चों का पोलियो और अन्य आवश्यक टीकाकरण समय पर कराएं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों व स्थानीय लोगों के लिए पोलियो उन्मूलन अभियान की जानकारी देते हुए जागरूक किया गया। युवाओं को नशामुक्ति व पोलियो जागरूकता शपथ दिलवाई गई। साथ ही महाविद्यालय के आसपास रह रही घुमंतू जातियां के परिवार सदस्यों को पोलियो ड्रॉप अन्य आवश्यक टीकाकरण के महत्व को समझाया।

रोटरी रसोई पर सुबह आठ से 12 बजे तक जरूरतमंद ले सकता है कपड़े

रोटरी क्लब ने नेकी की दीवार मुहिम के साथ पुराने कपड़ों का शुरू किया वितरण

नारनौल। ठंड के मौसम की शुरूआत के साथ ही रोटरी क्लब नारनौल सिटी की ओर से हर वर्ष की तरह नेकी की दीवार मुहिम का शुभारंभ महावीर चौक स्थित रोटरी रसोई पर किया गया है। जिसके माध्यम से असहाय जरूरतमंद लोगों को उनकी आवश्यकता अनुसार कपड़े वितरित किए जाएंगे। क्लब प्रधान राजकुमार चौधरी ने बताया कि रोटरी क्लब द्वारा हर वर्ष नेकी की दीवार मुहीम चलाई जाती है। जिसमें क्षेत्र व आसपास के जागरूक लोग अपने पुराने पहनने लायक कपडे, जूते, चप्पल, खिलौने या बर्तन इत्यादि कोई भी सामान जो आपके लिए उपयोगी नहीं है, लेकिन वहीं सामान किसी जरूरतमंद के लिए बहुत काम आ सकता है। अपना ऐसा कोई भी सामान रोटरी क्लब की नेकी की दीवार पर भेंट कर सकते हैं। जहां से यह सभी सामान असहाय जरूरतमंद लोगों को वितरित किया जाता है। नेकी की दीवार प्रोजेक्ट के इंचार्ज विनय मित्तल व नितिन अग्रवाल ने बताया कि आज भी हमारे समाज में ऐसे बहुत से लोग हैं, जिनके पास अपना शरीर ढ़कने के लिए पूरे कपड़े भी उपलब्ध नहीं होते हैं।

बहुत उपयोगी साबित होते हैं

सर्दी के मौसम को देखते हुए ऐसे लोगों के लिए ये कपड़े भी बहुत उपयोगी साबित होते हैं और तन ढकने के साथ साथ ठंड से भी उनका बचाव करते हैं। कोई भी पुराने कपडे व अन्य सामान सुविधा अनुसार महावीर चौक स्थित रोटरी रसोई महावीर मार्ग पर मुकेश गारमेंटस पर जमा करवा सकते हैं। रोटरी रसोई पर सुबह आठ बजे से 12 बजे तक प्रतिदिन जरूरतमंद लोग अपनी आवश्यकता अनुसार पुराने कपड़े ले सकते हैं। मौके पर राजकुमार चौधरी, नरेश गोगिया, विनय मित्तल, नितिन अग्रवाल, संदीप शुक्ला, नवीन गुप्ता, रामगोपाल अग्रवाल व अंजू अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

संयुक्त राष्ट्र दिवस पर विद्यार्थियों ने दिखाई सक्रिय भागीदारी

विश्व शांति व मानवता के संदेश को अपनाएं: प्राचार्या डॉ. पूर्ण प्रभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

राजकीय महाविद्यालय में संयुक्त राष्ट्र दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने विश्व शांति, सहयोग और एकता के संदेश को अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी एवं महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. डॉ. पूर्ण प्रभा ने दीप प्रज्वलन करके किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना, उद्देश्य, अंगों व वैश्विक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ विश्व में शांति, समानता, मानवाधिकार और सतत विकास के लिए समर्पित संगठन है, जिसने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय सहयोग की दिशा में एक नई राह प्रशस्त की। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों, सहयोग, सहिष्णुता और मानवता को अपने जीवन में अपनाएं, ताकि एक बेहतर विश्व की स्थापना की जा सके।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थी व कॉलेज स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

युवा वर्ग को अंतरराष्ट्रीय मुद्दों की समझ विकसित करे

युवा वर्ग को अंतरराष्ट्रीय मुद्दों की समझ विकसित करनी चाहिए, ताकि वे एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक के रूप में योगदान दे सकें। अंत में प्राचार्या डॉ. पूर्ण प्रभा ने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि करते हैं, बल्कि उनमें अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण व मानवीय संवेदनाओं का भी विकास करते हैं।

प्रेरक संदेश साझा किए

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विश्व शांति में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए और विश्व के विभिन्न संकटों, पर्यावरण संरक्षण, मानवाधिकार, लैंगिक समानता तथा शिक्षा के प्रसार में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका पर गहन चिंतन किया। विद्यार्थियों ने संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों, जलवायु परिवर्तन, गरीबी उन्मूलन और वैश्विक एकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सारगर्भित वक्तव्य दिए तथा समूह गीत, नृत्य और कविताओं के माध्यम से विश्व बंधुत्व व मानवीय एकता का प्रेरक संदेश साझा किया। महाविद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधियों की प्रभारी व महिला अध्ययन एवं विकास प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. पविता यादव ने पूरे कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्यों, इसकी स्थापना के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, विश्व कल्याण में इसकी भूमिका के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

मगरमच्छ अपनी जीभ बाहर नहीं निकाल सकते।

चमगादड़ एकमात्र स्तनधारी हैं जो उड़ सकते हैं।

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

प्रयोगशाला शिक्षक बन चमकाएं अपना करियर

कौन होता है प्रयोगशाला शिक्षक

प्रयोगशाला टीचर उच्च कक्षाओं में जो प्रयोगशाला होती है। उन प्रयोगशालाओं में अध्यापक के तौर पर प्रैक्टिकल करवाने वाले उम्मीदवार को कहा जाता है। प्रयोगशाला टीचर उच्च कक्षाओं यानी कि 10वीं 11वीं और 12वीं कक्षाओं में जो विज्ञान वर्ग के विषयों में प्रैक्टिकल करवाने का काम करते हैं, उनको कहा जाता है। प्रयोगशाला अध्यापक लैब में विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल करके हर चीज सिद्धांत के साथ समझाते हैं। विज्ञान विषय में प्रैक्टिकल काफी महत्वपूर्ण होता है। विज्ञान की थ्योरी पढ़ने के साथ-साथ प्रैक्टिकल के माध्यम से उस रिएक्शन और गतिविधि के बारे में संपूर्ण जानकारी विद्यार्थी लेते हैं और यह जानकारी देने का काम लैब टीचर करता है।

जरूरी योग्यताएं

जो विद्यार्थी प्रयोगशाला टीचर बनने का सपना देख रहे हैं। और प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए मेहनत कर रहे हैं। उन विद्यार्थियों को सबसे पहले लैब टीचर बनने के लिए जरूरी योग्यता को पूरा करना होगा योग्यता को पूरा करके ही आप प्रयोगशाला टीचर की भर्ती में आवेदन लगा सकते हैं और टीचर बनने के सपने को पूरा कर सकते हैं। प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए जरूरी योग्यता नीचे कुछ इस प्रकार से दी गई है:

- उम्मीदवार 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग के साथ पास किया हुआ होना अनिवार्य है।
- उम्मीदवार को उच्च शिक्षा के तौर पर आगे ग्रेजुएशन और मास्टर ग्रेजुएशन करना जरूरी है।
- बीएड की डिग्री हासिल करें।

करने होते हैं ये कार्य

प्रयोगशाला टीचर के कार्य कि यदि बात की जाए तो प्रयोगशाला टीचर शब्द से ही यह अंदाजा लगाया जा सकता है, कि ऐसा अध्यापक जो प्रयोगशाला में होने वाली गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने में अपनी मदद करता है। प्रयोगशाला में विद्यार्थियों को नए नए प्रयोग सिखाने और उनके बारे में जानकारी देने में प्रयोगशाला टीचर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्यार्थियों को विज्ञान की कई प्रकार की रियक्शन और गतिविधियों से अवगत करवाता है। प्रयोगशाला टीचर विद्यार्थियों को प्रयोग सिखाता है और लैब की परीक्षाओं में एग्जाम करवाने का काम भी करता है।

कैसे बनें

प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए विद्यार्थियों को सबसे पहले 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग के साथ पास करनी होगी। विज्ञान वर्ग के साथ जो विद्यार्थी 12वीं कक्षा पास कर लेता है। उसको नीचे दिए गए निम्नलिखित चरणों को फॉलो करते हुए आगे बढ़ना होगा।

ग्रेजुएशन पूरा करें : 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग में पूरा कर चुके विद्यार्थी किसी भी सब्जेक्ट के साथ ग्रेजुएशन कर सकता है। ग्रेजुएशन विज्ञान वर्ग से संबंधित होना अनिवार्य है। ग्रेजुएशन की डिग्री न्यूनतम 50% अंक के साथ पास करना काफी महत्वपूर्ण रहता है।

बीएड की डिग्री हासिल करें : 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग में पूरा कर चुके विद्यार्थी किसी भी सब्जेक्ट के साथ ग्रेजुएशन कर सकता है।

मास्टर डिग्री यानी की पोस्ट ग्रेजुएशन पूरा करें : ग्रेजुएशन और बीएड की डिग्री लेने के पश्चात उम्मीदवार को पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री लेनी होती है। पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री लेने पर विद्यार्थी किसी भी एक विषय में मास्टर डिग्री हासिल कर लेता है और उस विषय से संबंधित प्रयोगशाला शिक्षक बनने के लिए योग्य भी हो जाता है। मास्टर डिग्री लेने वाले उम्मीदवार को अब आने वाली प्रयोग शाला शिक्षक भर्ती में आवेदन करने के लिए योग्यता मिल जाती है।

प्रयोगशाला टीचर भर्ती में आवेदन करें : लैब टीचर बनने के लिए उम्मीदवार को सरकार के द्वारा नियमित तौर पर निकाले जाने वाली प्रयोगशाला टीचर भर्ती में अपना आवेदन लगाना होगा। हालांकि जो विद्यार्थी प्राइवेट विद्यालय में प्रयोगशाला टीचर बनना चाहता है। उस विद्यार्थी के लिए किसी भी भर्ती में आवेदन लगाने की जरूरत नहीं है। विद्यार्थी डिग्री कंप्लीट करने के बाद सीधा किसी भी प्राइवेट विद्यालय में ज्वाइन होकर प्रयोगशाला टीचर पद पर कार्यरत हो सकता है। लेकिन सरकारी प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए विद्यार्थी को प्रयोगशाला टीचर भर्ती में अपना आवेदन लगाना होगा। जब विद्यार्थी प्रयोगशाला टीचर भर्ती में आवेदन लगाता है। तो विद्यार्थी को प्रयोगशाला टीचर की सेलेक्शन प्रक्रिया से गुजरते हुए इस पद को हासिल करना होता है।

कितनी होती है सैलरी : प्राइवेट विद्यालय में प्रयोगशाला टीचर को 15,000 से 25,000 तक की सैलरी मिल जाती है। प्राइवेट विद्यालय में यह सैलरी कोई फिक्स नहीं है। उच्च स्तरीय प्राइवेट विद्यालय में प्रयोगशाला टीचर की सैलरी 50,000 तक भी हो सकते हैं। सरकारी प्रयोगशाला टीचर बनने के बाद उम्मीदवार की सैलरी की बात की जाए तो उम्मीदवार को शुरुआत में 40,000 तक की सैलरी मिलती है और 2 साल की अवधि पूरी होने के बाद उम्मीदवार को पहला प्रमोशन मिलता है। उसके बाद उम्मीदवार को 50,000 से 70,000 की सैलरी और ग्रेड पे के साथ-साथ अन्य कई प्रकार के सरकारी भत्ते की सुविधाएं भी मिलती है।

कैंसर उपचार की रीढ़ है रेडियोथेरेपी, मरीजों की आशा की किरण

जन सेवा के साथ करियर का बेहतरीन विकल्प 'रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट'

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

बीएससी इन रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी (B.Sc in Radiotherapy Technology) जन सेवा के साथ युवाओं को करियर का बेहतरीन विकल्प उपलब्ध करवा रही है। यह तकनीक जहां कैंसर के मरीजों में आशा की किरण है, वहीं मेडिकल क्षेत्र में आगे बढ़ने वाले युवाओं को कामयाब होने के रास्ते दिखा रही है। इस क्षेत्र में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए यह एक बेहतरीन कोर्स हो सकता है जो उनकी नौकरी की उम्मीदों को पंख दे सकता है। इसलिए युवा यह कोर्स कर अपने करियर को आसमान की बुलंदियों पर ले जा सकते हैं। आज के समय में दुनियाभर में बढ़ते कैंसर मामलों ने रेडिएशन थेरेपी की मांग को तेजी से बढ़ाया है। कैंसर के उपचार में रेडियोथेरेपी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और इसे सफलतापूर्वक देने वाले एक्सपर्ट रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में बीएससी इन रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी कोर्स युवाओं के लिए मेडिकल क्षेत्र में एक उत्कृष्ट करियर विकल्प बन चुका है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज में जहां एक ओर डॉक्टर और ऑन्कोलॉजिस्ट का योगदान अहम होता है। वहीं, रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट पर्दे के पीछे से तकनीकी रूप से उपचार को सटीक और प्रभावी बनाते हैं। इनका कार्य रोगी के जीवन से सीधा जुड़ा होता है, इसलिए यह क्षेत्र न केवल वैज्ञानिक ज्ञान बल्कि मानवीय संवेदनाओं से भी परिपूर्ण है।

क्या है रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी

रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में उपयोग की जाने वाली रेडिएशन मशीनों को ऑपरेट करते हैं। ये प्रोफेशनल्स डॉक्टरों के निर्देश पर रोगी को सटीक मात्रा में विकिरण देते हैं, जिससे ट्यूमर को नष्ट किया जा सके और स्वस्थ ऊतकों को नुकसान न पहुंचे। आज के समय में रेडिएशन तकनीक अत्याधुनिक हो चुकी है जैसे रैखिक त्वरक (एलआईएनएसी), ब्रैकीथेरेपी, साइबरनाइफ और गामा नाइफ जैसी मशीनें, जिनके संचालन के लिए विशेष प्रशिक्षण आवश्यक होता है। रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट की भूमिका केवल मशीन चलाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वे रोगी की सुरक्षा, मशीन की मेंटेनेंस और रेडिएशन डोज की सटीक गणना जैसे अत्यंत संवेदनशील कार्यों में भी शामिल होते हैं।

बढ़ते कैंसर मरीजों के कारण बढ़ी डिमांड

कोर्स की ये हैं जरूरी योग्यताएं

इस कोर्स में प्रवेश के लिए छात्र को 12वीं (फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी/मैथ्स) न्यूनतम 50/55% अंकों के साथ पास होना चाहिए। सरकारी संस्थानों में केवल प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही दाखिला होता है। इसके लिए आप पहले कोचिंग भी ले सकते हैं। कई निजी संस्थान भी यह कोर्स संचालित कर रहे हैं, लेकिन छात्रों को संस्थान चुनते समय उसकी मान्यता और क्लिनिकल ट्रेनिंग सुविधा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसके बाद ही संस्थान का चुनाव करें। चूंकि यह कोर्स तकनीकी और मरीजों के सीधे संपर्क से जुड़ा है, इसलिए व्यवहारिक ज्ञान इसकी सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस पर ध्यान रखना जरूरी है।

साढ़े 4 वर्ष का डिग्री कोर्स

बीएससी इन रेडियोथेरेपी एक साढ़े 4 वर्ष का डिग्री कोर्स है, जिसमें क्लासरूम टीचिंग, लैब ट्रेनिंग और हॉस्पिटल इंटर्नशिप शामिल होती है। अंतिम वर्ष में विद्यार्थियों को रेडिएशन विभाग में हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे वे वास्तविक मरीजों के साथ काम करने का अनुभव प्राप्त कर सकें। कुछ संस्थानों में छात्रों को प्रोजेक्ट कार्य, केस स्टडीज और वर्कशॉप्स के माध्यम से रिसर्च का भी अवसर मिलता है। इस दौरान उन्हें न केवल तकनीकी स्किल, बल्कि रोगियों के प्रति सहानुभूति और मानसिक मजबूती जैसे गुण भी विकसित करने पर बल दिया जाता है।

काम करके मिलता सुकून

रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें न केवल करियर की स्थिरता और उन्नति है, बल्कि कैंसर पीड़ितों की जिंदगी को बचाने का सुकून भी शामिल है। यह विज्ञान और मानवीय सेवा का सुंदर संगम है। यदि आप मेडिकल क्षेत्र में टेक्निकल एक्सपर्ट बनने के साथ समाज सेवा का जज्बा भी रखते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए उपयुक्त विकल्प हो सकता है। आने वाले वर्षों में जैसे-जैसे भारत में कैंसर उपचार सुविधाएँ बढ़ेंगी, वैसे-वैसे रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जाएगी।

कैंसर के उपचार में रेडियोथेरेपी की भूमिका सबसे कारगर, B.Sc in Radiotherapy Technology कोर्स युवाओं को दे रहा करियर बनाने का शानदार मौका

कोर्स करने के लिए प्रमुख संस्थान

1. पी.जी.आई.एम.एस. रोहतक (पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, रोहतक)
2. पी.जी.आई. चंडीगढ़ (पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़)
3. एस.एम.एस. जयपुर (सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज, जयपुर)
4. बी.एच.यू. वाराणसी (बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी)
5. जिपमर पुडुचेरी (जवाहरलाल इंस्टिट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पुडुचेरी)
6. एम्स दिल्ली (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली)
7. सी.एम.सी. वेल्लोर (क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर)

(नोट : इन संस्थानों से डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र देश-विदेश में उच्च पदों पर कार्यरत हैं और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में भारत की पहचान बना रहे हैं।)

यह मिल सकता है वेतन

शुरुआत में रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट का वेतन 30,000 रुपये से 45,000 रुपये प्रतिमाह तक हो सकता है। अनुभव के साथ और सरकारी अस्पतालों या प्रतिष्ठित संस्थानों में यह वेतन 60,000 रुपये से 80,000 रुपये प्रति माह तक भी पहुंच सकता है। विदेशों में यह प्रोफेशन और भी अधिक सम्मानजनक और उच्च वेतन वाला माना जाता है। साथ ही, जैसे-जैसे नई तकनीकें आ रही हैं जैसे आईएमआरटी-तीव्रता मॉड्यूलेटेड रेडिएशन थेरेपी, आईजीआरटी-इमेज गाइडेड रेडिएशन थेरेपी, एसआरएस/एसआरटी-स्टीरियोटैक्टिक रेडियोसर्जरी/स्टीरियोटैक्टिक रेडियोथेरेपी, एसबीआरटी-स्टीरियोटैक्टिक बॉडी रेडिएशन थेरेपी आदि इस क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वालों की मांग और बढ़ रही है। निजी स्वास्थ्य संस्थान अब योग्य रेडिएशन टेक्नोलॉजिस्ट को आकर्षक वेतन पैकेज दे रहे हैं।

यहां नौकरी के अवसर

रेडियोथेरेपी कोर्स के बाद छात्र निम्न संस्थानों में नौकरी कर सकते हैं।

- कैंसर स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स
- मेडिकल कॉलेज व रिसर्च सेंटर
- प्राइवेट डायग्नोस्टिक और रेडिएशन यूनिट्स
- सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रमों के तहत
- अंतरराष्ट्रीय हेल्थकेयर संगठनों में
- इसके अतिरिक्त, अनुभवी टेक्नोलॉजिस्ट रिसर्च, हेल्थ एजुकेशन, मेडिकल इक्विपमेंट कंपनियों या हेल्थ मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में भी अपना करियर बना सकते हैं।

हर नया दिन आपको सपनों को हकीकत में बदलने, बाधाओं को पार करने का देता मौका

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

छात्र जीवन एक ऐसी यात्रा है जो चुनौतियों, अवसरों और भविष्य को आकार देने वाले पलों से भरी होती है। हर नया दिन आपके सपनों को हकीकत में बदलने, बाधाओं को पार करने और सफलता की ओर बढ़ने का एक मौका देता है। यह पल आपके लिए है अपनी ऊर्जा को संजोने, अपने मन को एकाग्र करने और अपनी रचनात्मकता को प्रज्वलित करने का समय। यह व्याकुलता का नहीं, बल्कि दृढ़ निश्चय का समय है वर्तमान को थामने और उज्जवल भविष्य को गढ़ने का अवसर। छात्रों को अक्सर पढ़ाई, व्यक्तिगत विकास और तेजी से बदलती दुनिया की अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने का भारी दबाव झेलना पड़ता है। हतोत्साहित होना या अपने लक्ष्यों से भटक जाना स्वाभाविक लग सकता है। लेकिन हर सुबह, हर बीतता क्षण, आपके सपनों के प्रति फिर से समर्पित होने का आह्वान है।

सोचे-समझे कदमों से करें शुरुआत

दिन के ये शुरुआती पल रचनात्मकता और मेहनत के लिए एक खुला कैनवास हैं। सोशल मीडिया, आत्म-संदेह या आलस्य जैसे व्याकुलताओं के आगे झुकने के बजाय, इस समय को अपनी प्रेरणा को बढ़ाने और अपनी ऊर्जा को सार्थक कार्यों में लगाने के लिए उपयोग करें। जैसा कि एक प्रेरक हिंदी कथन कहता है कि सुबह का यह पल तुम्हारा है। मेहनत और सपनों के साथ आगे बढ़ो, क्योंकि हर कदम तुम्हें तुम्हारे लक्ष्य के करीब ले जाता है। यह उद्धरण इस पल को थामने के सार को दर्शाता है। सुबह का यह समय, जब दुनिया संभावनाओं से भरी जाग रही होती है, आपके लिए एक नई शुरुआत है। आपकी मेहनत, आपके प्रिय सपनों के साथ मिलकर, आपको आगे बढ़ा सकती है। चाहे आप परीक्षा की तैयारी कर रहे हों, किसी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हों, या अपनी रुचियों को खोज रहे हों, यह वह समय है जब आपको पूरे उद्देश्य के साथ कार्य करना है। रचनात्मकता एक छात्र के रूप में आपकी सबसे बड़ी ताकत है। यह केवल किताबी ज्ञान या तथ्यों को रटने तक सीमित नहीं है; यह नए दृष्टिकोण अपनाने, अनोखे समाधान खोजने और चुनौतियों को रचनात्मक ढंग से हल करने के बारे में है। लेकिन व्याकुलताएं रचनात्मकता की सबसे बड़ी दुश्मन हैं। वे आपका ध्यान भटकाती हैं और उस ऊर्जा को कमजोर करती हैं जिसे आप सीखने और विकास में निवेश कर सकते हैं। अपने लक्ष्यों को क्षणिक प्रलोभनों से ऊपर रखकर, आप अपने भविष्य को आकार देने की शक्ति को फिर से हासिल करते हैं। इस पल का अधिकतम लाभ उठाने के लिए, छोटे-छोटे, सोचे-समझे कदमों से शुरुआत करें। दिन के लिए स्पष्ट और प्राप्य लक्ष्य बनाएं, अपने कार्यों को छोटे हिस्सों में बांटें और अपनी हर छोटी उपलब्धि का उत्सव मनाएं।

हर सफल व्यक्ति एक छात्र

अपने चारों ओर सकारात्मकता लाएं -चाहे वह प्रेरक दोस्त हों, मार्गदर्शक शिक्षक हों, या एक शांत स्थान जो आपके विचारों को उड़ान दे। याद रखें, हर सफल व्यक्ति कभी एक छात्र था, जिसने हार नहीं मानी, जिसने सुविधा के बजाय संघर्ष को चुना, और जिसने हर चुनौती को एक अवसर के रूप में देखा। सुबह का यह समय आपके सपनों के प्रति आपकी प्रतिबद्धता का प्रतीक बने। दुनिया आपके अनोखे योगदान, आपके विचारों और आपकी दृढ़ता की प्रतीक्षा कर रही है। इस पल को अपनाएं, अपनी रचनात्मकता को प्रज्वलित करें और अपने लक्ष्यों की ओर साहसपूर्वक कदम बढ़ाएं। एक छात्र के रूप में आपकी यात्रा केवल मंजिल तक पहुंचने की नहीं है यह उस रास्ते में अपने सर्वश्रेष्ठ स्वरूप को खोजने की है। तो, उठें, कर्म करें और हर क्षण को अमूल्य बनाएं।

खुद पर भरोसा करो, क्योंकि तुम्हारी ताकत तुम्हारे भीतर छिपी है

आत्मविश्वास सफलता की नींव है। यह उद्धरण छात्रों को अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानने और उसका उपयोग करने के लिए प्रेरित करता है। जब आप खुद पर विश्वास करते हैं, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं लगता। छात्र जीवन एक ऐसी अवस्था है जहां हर दिन एक नया सबक लाता है। इन प्रेरणादायक उद्धरणों को अपने साथी बनाएँ और हर चुनौती को एक अवसर के रूप में देखें। जैसा कि पहले उद्धरण में कहा गया, "सुबह का यह पल तुम्हारा है। मेहनत और सपनों के साथ आगे बढ़ो, क्योंकि हर कदम तुम्हें तुम्हारे लक्ष्य के करीब ले जाता है।" इस पल को थामें, अपने भीतर की रचनात्मकता और जुनून को जगाएं, और अपने सपनों की ओर बढ़ते रहें। आपमें वह शक्ति है जो आपको दुनिया की ऊंचाइयों तक ले जा सकती है बस उस पर विश्वास करें और कदम बढ़ाएं।

सामान्य ज्ञान

1. यंग प्रत्यास्थायता गुणांक का एसआई मात्रक है
(ए) डाइन/सेमी.
(बी) न्यूटन/मी.
(सी) न्यूटन/मी.^{2}
(डी) मी.^{2}/से.

2. निम्नलिखित युग्मों में से किन भौतिक राशियों के सामान विमीय सूत्र नहीं है ?
(ए) बल एवं दाब
(बी) कार्य एवं उर्जा
(सी) आवेग एवं संवेग
(डी) भार एवं बल

3. एक खगोलीय इकाई संबंधित है -
(ए) सूर्य एवं पृथ्वी के बीच की दूरी से
(बी) चन्द्रमा एवं पृथ्वी के बीच की दूरी से
(सी) सूर्य, चन्द्रमा के बीच की दूरी से
(डी) उपरोक्त में से कोई नही

4. निम्नलिखित में से कौन-सी अविमीय राशि है ?
(ए) विकृति
(बी) श्यानता गुणांक
(सी) गैस नियतांक
(डी) प्लांक नियतांक

5. निम्नलिखित में से कौन एक सदिश राशी नही है
(ए) संवेग
(बी) वेग
(सी) कोणीय वेग
(डी) द्रव्यमान

6. अदिश राशी है
(ए) उर्जा
(बी) बल आघूर्ण
(सी) संवेग
(डी) उपरोक्त सभी

7. निम्नलिखित में से कौन सी एक सदिश राशी है
(ए) संवेग
(बी) दाब
(सी) उर्जा
(डी) कार्य

8. निम्नलिखित में से कौन सी राशी सदिश नही है
(ए) विस्थापन
(बी) वेग
(सी) बल
(डी) आयतन

उत्तर 1.(सी) 2.(ए) 3.(ए) 4.(ए) 5.(डी) 6.(ए) 7.(ए) 8.(डी)

बेटी की उच्च शिक्षा एवं शादी के लिए धन जुटाने की बेहतर छोटी बचत योजना सुकन्या समृद्धि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सुकन्या समृद्धि खाता (एसएसए) भारत सरकार की एक छोटी बचत योजना है, जो विशेष रूप से बेटियों के लिए शुरू की गई है। यह योजना उनकी शिक्षा और शादी के लिए बचत करने में माता-पिता/अभिभावकों की मदद करती है। इसका मुख्य उद्देश्य बेटी की उच्च शिक्षा और शादी के खर्चों के लिए धन जुटाना है। इसके लिए पात्रता बेटी के माता-पिता या कानूनी अभिभावक, बेटी के 10 वर्ष की आयु पूरी करने से पहले है। केवल भारतीय निवासी लड़की के नाम पर ही खाता खोला जा सकता है। एक परिवार में अधिकतम दो बेटियों के लिए खाता खोला जा सकता है। जुड़वां/तीन बच्चियों के मामले में अतिरिक्त खाता खोलने की अनुमति है। एक बेटी के लिए केवल एक ही खाता खोला जा सकता है।

खास बातें

प्रचार प्रसार के लिए जिला के हर गांव में लगेंगे कैंप

इसके लिए न्यूनतम 250 प्रति वित्तीय वर्ष राशि जमा की जा सकती है। अधिकतम 1.5 लाख प्रति वित्तीय वर्ष राशि जमा करवाई जा सकती है। यह राशि खाता खोलने की तारीख से 15 साल तक जमा करनी होती है। 15 साल के बाद, खाता मैच्योरिटी तक ब्याज कमाता रहता है, लेकिन कोई और जमा की आवश्यकता नहीं होती। जहां तक ब्याज दर की बात है तो ब्याज दर सरकार द्वारा तिमाही आधार पर तय की जाती है (वर्तमान दरें बदल सकती हैं, अभी लगभग 7.6 प्रतिशत वार्षिक है, लेकिन यह समय-समय पर बदलती रहती है)। ब्याज सालाना चक्रवृद्धि होता है।

मैच्योरिटी राशि पूरी तरह से कर-मुक्त

खाता खोलने के 21 वर्ष बाद होता मैच्योर

- **अवधि (लॉक-इन पीरियड)**: खाता खोलने की तारीख से 21 वर्ष बाद मैच्योर होता है, या बेटी की शादी की तारीख पर (जो 18 वर्ष की आयु के बाद हो)।
- **आंशिक निकासी** : बेटी के 18 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद उच्च शिक्षा या शादी के उद्देश्य से पिछली वित्तीय वर्ष के अंत में खाते में जमा शेष राशि का 50% तक निकाला जा सकता है।
- **खाता बंद करना** : कुछ विशेष परिस्थितियों में मैच्योरिटी से पहले खाता बंद किया जा सकता है, जैसे: खाताधारक की मृत्यु हो जाने पर। जीवन के लिए खतरनाक बीमारी का इलाज।
- **कर लाभ** : यह योजना 'ईईई' का लाभ देती है, जिसका अर्थ है: जमा की गई राशि (अधिकतम 1.5 लाख तक) आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत कटौती योग्य है। प्राप्त होने वाला ब्याज पूरी तरह से कर-मुक्त है। मैच्योरिटी पर मिलने वाली राशि भी पूरी तरह से कर-मुक्त होती है।

नारनौल। मुख्य डाकघर भवन।

कन्याओं का भविष्य सुकन्या समृद्धि से होगा सुरक्षित : डाकपाल

लिए डाक विभाग की ओर से शुक्रवार गांव कारोली व घाटाशेर में सुकन्या समृद्धि योजना के तहत कैंप लगाया गया। इन दोनों गांव में सरपंच, आंगनवाड़ी वर्कर, आशा वर्कर का भरपूर सहयोग मिला। कैंप में पहुंचे सभी लोगों ने बताया कि यह योजना लड़कियों को सबसे अधिक फायदा पहुंचाती है। सरपंच ने बताया कि इस योजना से न केवल महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत बनेगी बल्कि सामाजिक रूप से भी सशक्त होगी। सरपंच व आंगनबाड़ी कर्मी ने आस्वस्थ किया कि उनके गांव से शून्य से लेकर 10 वर्ष तक की किसी भी लड़की को इस खाते के लाभ के बिना नहीं छोड़ा जाएगा। विभाग की ओर से प्रधान डाकघर नारनौल से डॉकपाल ब्रह्मप्रकाश यादव, जनसंपर्क निरीक्षक हिम्मत सिंह, दीपक, राजेंद्र, जिले सिंह के साथ-साथ गांव से आशा वर्कर, आंगनबाड़ी व अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। इसी मुहिम के अंतर्गत 25 अक्टूबर को गांव अमरपुर जोरासी में सुबह 10:30 बजे पंचायत घर में कैंप का आयोजन किया जाएगा

लोगों को योजना का मिले लाभ, लेंगेगे कैंप

मुख्य डाकघर के जनसंपर्क निरीक्षक हिम्मत सिंह ने बताया कि यह योजना बेटी के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सबसे लोकप्रिय और कर-कुशल बचत विकल्पों में से एक है। नवीनतम ब्याज दर 8.2 प्रतिशत है। भारत सरकार की बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ मुहिम के अंतर्गत सुकन्या समृद्धि खाते का लाभ सभी तक पहुंच सके, इस मुहिम में प्रधान डाकघर नारनौल की ओर से गांव-गांव सुकन्या समृद्धि खाते के लाभ हेतु कैंप का आयोजन किया जाएगा। डाक विभाग ने निर्णय लिया है कि वह गांव-गांव, घर-घर जाकर कन्याओं के खातों के लिए प्रेरित करेगा। इसकी शुरुआत कारोली गांव से की जा रही है। गांव में सरपंच, आंगनबाड़ी व आशा वर्कर की मदद से 24 अक्टूबर 2025 को सुबह 10 बजे कैंप का आयोजन किया जाएगा। उसी दिन शाम तीन बजे गांव घाटाशेर में कैंप का आयोजन किया जाएगा और धीरे-धीरे करके जिले के सभी गांव को इस योजना का लाभ सभी को दिया जाएगा। कोई भी ग्राम पंचायत, आंगनबाड़ी आशा वर्कर अपने गांव में इस कैंप का आयोजन करवाना चाहते हैं तो वह अपने नजदीक डाकघर से संपर्क कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

कनीना महेंद्रगढ़ स्टेट हाईवे फोर लाइन बने

कनीना। स्टेट हाईवे 24 कनीना महेंद्रगढ़ पर वाहनों का लगातार दबाव बढ़ रहा है, जिसका मुख्य कारण लोगों का ग्रीन कॉरिडोर 152 डी पर गांव बुचावास के समय बने कट पर जाने को लेकर वाहनों की तादाद बढ़ रही है। स्थानीय निवासी दिनेश कुमार, राजकुमार, कृष्ण सिंह, राजपाल, सुधीर, बलवंत आदि ने बताया कि ग्रीन कॉरिडोर 152 डी के निर्माण के बाद स्टेट हाईवे नंबर 24 पर कनीना महेंद्रगढ़ के बीच वाहनों की संख्या में बड़ा इजाफा हुआ है, जिसको लेकर यह मार्गदर्शन किरण लगता है और वाहन चालकों को ओवरटेक करने में बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

बूथ स्तर पर पदाधिकारी किए जाएंगे नियुक्तः बेदु

मंडी अटेली। जननायक जनता पार्टी के अटेली की हल्का प्रधान बेदू राता ने कहा कि जजपा को मजबूत संगठन बनाने के लिए जजपा के कार्यकर्ताओं को मेहनत के साथ काम करना होगा। इसके लिए गांव और बूथ स्तर पर जल्द ही पदाधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। जजपा केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव का एक माध्यम है। ताऊ देवीलाल के आदर्शों और दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व में जजपा आमजन की आवाज को बुलंद करने का कार्य कर रहा है। उनकी पार्टी का लक्ष्य युवाओं को राजनीति में सशक्त भूमिका देना है, ताकि वे समाज और संगठन के लिए बेहतर काम कर सकें।

डा. जे.एस. यादव की पुण्यतिथि पर हवन एवं श्रद्धांजलि समारोह आयोजित

डॉ यादव ने दयानंद की विचारधारा को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाईः राव

आज युवा वर्ग एवं सभी समाजसेवियों को डा. यादव का अपना प्रेरणा-स्त्रोत मानते हुए उनकी विचारधारा को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। हवन में आहूति देते हुए। फोटो:हरिभूमि

नारनौल। डा. जेएस यादव की तस्वीर के समक्ष नमन करते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह। फोटो:हरिभूमि

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि मृत्यु के पश्चात समाज में व्यक्ति के उन गुणों को याद किया जाता है, जो उसने नीजि हित की अपेक्षा दूसरों के लिए किये हों। डॉ यादव ने शिक्षा के प्रसार के साथ-साथ समाज सेवा और महर्षि दयानंद की विचारधारा को आगे बढ़ाने में महत्ती भूमिका निभाई, इसीलिए उनको आदर और श्रद्धा के साथ याद किया जाता है। वे शुक्रवार को विश्व प्रसिद्ध जीव वैज्ञानिक डा. जे.एस. यादव की पुण्य तिथि के अवसर पर उनके पैतृक गांव नीरपुर में आयोजित हवन एवं श्रद्धांजलि समारोह में लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जीव विज्ञान के क्षेत्र में डॉ जेएस यादव के अनूठे शोध कार्यों व सैंकड़ों शोध-पत्रों को जहां अंतरराष्ट्रीय फलक पर सम्मान प्राप्त है, वहीं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उनके योगदान को आज भी पर्यावरण से जुड़े अनेक संगठन आगे बढ़ा रहे है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की विज्ञान संकाय के अलावा विभिन्न प्रकल्पों में उनके योगदान को आज भी सम्मान के साथ याद किया जाता है। पर्यावरण पर केंद्रित उनके संपादन में प्रकाशित होने वाली विश्वविद्यालय की शोध पत्रिका जीवंती के दुर्लभ अंकों को आज भी शोध के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों तथा अन्य क्षेत्रों में उनके हजारों में में अनुयायी आज भी उनके आदर्शों को धरातल पर उतार रहे हैं।

कुरूक्षेत्र में योगेश्वर श्रीकृष्ण भवन का करवाया

पूर्व प्राचार्य मदन गोपाल ने कहा कि डा. यादव ने अपने जीवन में शिक्षा प्राप्ति के बाद कुरूक्षेत्र को अपनी कर्मस्थली बनाया। उनके जीवन के प्रत्येक पृष्ठ से कुछ ना कुछ सीखने को मिलता है। डॉ यादव ने सामाजिक एकता को कायम रखते हुए कुरुक्षेत्र में योगेश्वर श्रीकृष्ण भवन का निर्माण करवाकर जातीय बंधनों पर कुठाराघात किया। उन्होंने कुरुक्षेत्र में 1857 ई. के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक राव तुलाराम की प्रतिमा स्थापित कर ऐतिहासिक कार्य किया। आज युवा वर्ग एवं सभी समाजसेवियों को डा. यादव का अपना प्रेरणा-स्त्रोत मानते हुए उनकी विचारधारा को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

जीवनभर किया शिक्षा का प्रचार व प्रसार

यादव सभा महेंद्रगढ़ के प्रधान अभय राम यादव ने कहा कि स्व. डा. जेएस यादव ने जीवन भर शिक्षा का प्रचार और प्रसार किया तथा बच्चों के साथ युवाओं का भी मार्गदर्शन किया।

नीरपुर जैसे छोटे से गांव से निकलकर विश्व भर में विज्ञान के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले डा. जेएस यादव के जीवन से बच्चों को प्रेरणा लेनी चाहिए। वरिष्ठ भाजपा नेता वासुदेव यादव ने कहा कि डा.यादव ने विज्ञान और शिक्षा के अलावा समाजसेवा के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान कायम की। डा.यादव कुरूक्षेत्रविश्वविद्यालय में पढने वाले दक्षिणी हरियाणा के सभी विद्यार्थियों के सरंक्षक थे। उनके आवास से लेकर फीस व खाने तक की समस्याओं का वो हमेशा ध्यान रखते थे और उनका समाधान करते थे।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मेजर जनरल अरविंद यादव, डा. अतुल यादव, असीम राव, कमला देवी, साहित्यकार रघुविन्दर यादव, डॉक्टर अनिल, प्रवक्ता योगेश यादव, डॉ पवन यादव, सुरेश पंच, कप्तान हरिसिंह, सुबेदार दयानंद, करतार मास्टर, लालचंद यादव, नवीन यादव, विकास यादव, मनीष जांगड़ा, देवेंद्र यादव, अभय सिंह बौहरा, जगदीश यादव आदि भी उपस्थित थे।

संस्कृत भारतीय संस्कृति की आत्मा : प्रो. टंकेशवर

महेंद्रगढ़। ई कार्यशाला में सम्मिलित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोण्टंकेशवर कुमार। फोटो : हरिभूमि

संस्कृत व्याकरण शास्त्र में राष्ट्रीय ई कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्वामी दयानन्द सरस्वती पीठ के तत्वावधान में संस्कृत व्याकरणशास्त्र में कारक प्रकरण विषय पर केंद्रित सप्तदिवसीय राष्ट्रीय ई कार्यशाला का आयोजन आभासीय माध्यम में किया जा रहा है। इस आयोजन में देशभर के 13 राज्यों से 350 से अधिक संस्कृत विद्वान, आचार्यगण, विद्यार्थी एवं शोधार्थी सहभागिता कर रहे हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंगलाचरण के साथ हुआ। जिसके पश्चात जम्मू विश्वविद्यालय की शोधार्थी वीणा ने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना प्रस्तुत की।

इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि संस्कृत भारतीय संस्कृति की आत्मा है। इसकी व्याकरण परम्परा तर्क, अनुशासन और विचार की उत्कृष्ट प्रतीक है। कारक प्रकरण जैसे विषय मानव जीवन में कर्तृत्व और उत्तरदायित्व के बोध को जागृत करते हैं। संस्कृत का अध्ययन वैश्विक सद्भाव का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने इस कार्यशाला की सरहाना करते हुए संयोजिका डॉ. सुमन रानी को बधाई दी।

डॉ. देवेंद्र ने मुख्य अतिथियों का परिचय करवाया

विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रोण्पवन कुमार शर्मा व कुलसचिव प्रोण्सुनील कुमार ने शुभाशीष प्रेषित किया। कार्यशाला में संस्कृत विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत ने मुख्य अतिथियों का परिचय करवाया। यह कार्यशाला संस्कृत व्याकरण के कारक सिद्धान्त पर देशभर के विद्वानों में हिमाचल प्रदेश से प्रो. योगेन्द्र, गुजरात से डॉ. रामकृपाल, डॉ. कृष्णा, उतरप्रदेश से डॉ. सतेन्द्र, उत्तराखण्ड से डॉ. वेदव्रत, पंजाब से डॉ. राहुल, राजस्थान से प्रो. राजेश, डॉ. सुमन, डॉ. विरेन्द्र, जम्मू से डॉ. वीना, बिहार से विश्वेश्वर सहित आचार्य बलबीर, डॉ. निर्मला आदि संस्कृत प्रेमियों को एक मंच पर लाकर परम्परा व आधुनिकता के समन्वय की दिशा में एक सराहनीय पहल सिद्ध हो रही है।

कलश यात्रा के साथ किया भागवत कथा का शुभारंभ

नारनौल। कलश यात्रा का शुभारम्भ करते समाजसेवी एडवोकेट अतरलाल। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

राम की बाल लीलाओं को सुनकर श्रद्धालुए हुए भाव विभोर

गांव खेड़ी (तलवाना) के राम मंदिर में आठ दिवसीय संगीतमय रामकथा का कलश यात्रा के साथ शुभारंभ किया गया। कलश यात्रा का शुभारंभ समाजसेवी एडवोकेट अतरलाल तथा कथावाचक आचार्य दास मोहित ने भगवा झंडा दिखाकर किया। अतरलाल ने कहा कि राम विश्व के आराध्य देव हैं। उनकी कथा से समाज में प्रेम, करूणा, सद्भावना, त्याग, तपस्या, परोपकार व भाईचारा की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कथा आयोजन के लिए ग्रामवासियों का धन्यवाद किया। आचार्य दास मोहित ने बालकांड की कथा सुनाते हुए राम की बाल लीलाओं का संगीतमय बखान कर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। इस दौरान बाल लीलाओं की शानदार झांकियां प्रस्तुत की गई। इस मौके पर रोतान सिंह, सरपंच पकंज, धूमसिंह चेयरमैन, सुखपाल सिंह, ओमप्रकाश, रामबीरसिंह, रामनिवास, पवन कुमार, चमनलाल, विजय सिंह, राजेश देवी, निन्दू, गीता, राजेश, पूनम, सोनू, विजय सिंह, धर्मपाल, अजय सिंह, योगराज सिंह आदि मौजूद रहे।

ई-गवर्नेंस उत्कृष्टता राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन आमंत्रित

कुल 16 पुरस्कार दिए जाएंगे इनमें 10 गोल्ड व छह सिल्वर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग की ओर से राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए हैं। पुरस्कार योजना के दिशा निर्देशों और अन्य विवरण के साथ 30 नवंबर तक पर आवेदन कर सकते हैं।

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि पुरस्कार योजना के दिशा निर्देशों और अन्य विवरण के साथ नामांकन भेजने की प्रक्रिया विभाग की वेबसाइट www.darpg.gov.in/www.nceg.gov.in पर दी गई है। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार हर वर्ष ई-गवर्नेंस पहलों के कार्यान्वयन में उत्कृष्टता को पहचानने और बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदान किए जाते हैं। नामांकन ऑनलाइन प्रस्तुत किए जाने हैं। ईमेल, दस्ती, डाक, कूरियर, या फैक्स जैसे अन्य माध्यम से भेजे गए नामांकनों पर विचार नहीं किया जाएगा। नामांकन केंद्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों, जिलों, स्थानीय निकायों, पंचायतों, केंद्रीय और राज्य सरकारों के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थाओं और स्टार्टअप से 7 श्रेणियों में आमंत्रित किए गए हैं।

गोल्ड अवार्ड में 10 लाख का प्रोत्साहन मिलेगा

सेंट्रल मिनिस्ट्रीज/डिपार्टमेंट्स, स्टेट/यूटी गवर्नमेंट्स, डिस्ट्रिक्ट्स/अर्बन लोकल बॉडीज, ग्राम पंचायत या समकक्ष पारंपरिक स्थानीय निकाय, स्टार्टअप्स, शिक्षाविद, और अनुसंधान एवं विकास संगठन आदि। उन्होंने बताया कि जिन परियोजनाओं की शुरुआत एक अक्टूबर 2023 से 30 सितंबर 2025 के बीच हुई है और जो एक दिसंबर, 2025 को पूरी तरह से चालू और परिचालित हैं, उन पर विचार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कुल 16 पुरस्कार दिए जाएंगे, जिनमें 10 गोल्ड अवार्ड और छह सिल्वर अवार्ड शामिल हैं। गोल्ड अवार्ड में 10 लाख का प्रोत्साहन और सिल्वर अवार्ड में 5 लाख का प्रोत्साहन शामिल है, जो संबंधित संगठन को परियोजना के कार्यान्वयन या लोक कल्याण के किसी भी क्षेत्र में कमियों को दूर करने के लिए दिया जाएगा । नामांकन केवल संगठन के वर्तमान प्रमुख द्वारा ऑनलाइन पोर्टल पर किया जाना चाहिए। आवेदन पत्र के साथ, परियोजना को सफल बनाने में योगदान देने वाले टीम के सदस्यों (परियोजना प्रमुख सहित चार से अधिक नहीं) का विवरण भी प्रदान करना होगा।

मांगें नहीं माने जाने के विरोध में 8 को कर्मचारी देंगे धरना

- बैठक का संचालन ब्रांच सचिव अनिल कुमार ने किया
- कुछ मांगें पांच वर्ष से अटकी हैं जिनका समाधान नहीं हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ की बैठक ब्रांच प्रधान कपिल कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसका संचालन ब्रांच सचिव अनिल कुमार ने किया। बैठक में राज्य प्रचार सचिव सुबेसिंह, जिला प्रधान कौशल यादव व जिला कैशियर नरेंद्र कुमार मीटिंग में उपस्थित रहे। मीटिंग में कर्मचारियों की मांगों पर विचार–विमर्श हुआ। राज्य सचिव ने चेतावनी दी कि यदि सभी मांगों का छह नवंबर तक समाधान नहीं हुआ तो आठ नवंबर को धरना करेंगे।

नारनौल। पीडब्ल्यूडी में कर्मचारियों की बैठक लेते ब्रांच प्रधान कपिल। फोटो : हरिभूमि

बैठक में यह रहे मौजूद

एसकेएस प्रधान कौशल यादव ने कहा कि यदि कार्यकारी अभियंता यह मांगे छह नवंबर तक पूरी नहीं करते हैं तो सभी कर्मचारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी यहां के प्रशासन की होगी। ब्रांच प्रधान कपिल कुमार ने कहा कि कर्मचारियों में मांगों को लेकर बहुत रोष है। मांगें बहुत ही नॉर्मल हैं। कुछ मांगें पांच सालों से अटकी हुई हैं, जिनका समाधान अभी तक नहीं हुआ है। मीटिंग में रोहित, अनिल, विकास, नरेंद्र, सतीश, हेमंत, प्रवीण, कुलदीप, राधेश्याम, विकास, योगेश एवं रोहित समेत अनेक कर्मी मौजूद रहे।

बाल विवाह करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

देवउठनी ग्यारस को लेकर जिला प्रशासन सतर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने कहा है कि देवउठनी ग्यारस पर सामाजिक प्रथा के रूप में बाल विवाह होने का अंदेशा बना रहता है, जो बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के अन्तर्गत कानूनी अपराध है। डीसी ने चेतावनी दी है कि बाल विवाह में शामिल सभी व्यक्तियों व संस्थानों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डीसी ने बताया कि इस अधिनियम के तहत 18 वर्ष से कम आयु की लड़की व 21 वर्ष से कम आयु के लड़के को नाबालिग माना जाता है। यदि कम आयु में विवाह किया जाता है तो यह संज्ञेय और गैर जमानती अपराध है। ऐसा कोई भी व्यक्ति जो बाल विवाह करवाता है, उसको बढ़ावा देता है या उसकी सहायता करता है, तो उसे दो साल तक की सजा और 1 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

1098 नंबर पर दें सूचना

बाल विवाह निषेध अधिकारी सरिता शर्मा ने बताया कि जिला प्रशासन संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध विभाग के माध्यम से बाल विवाह रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी कर रहा है। संबंधित जानकारी देने के लिए आमजन बाल विवाह निषेध अधिकारी, पुलिस हेल्पलाइन 112, मजिस्ट्रेट या चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर संपर्क कर सूचना दें।

गांव भूषण कलां में चल रही श्रीमद्भागवत कथा

भगवान का नाम है कल्याणकारी : आचार्य बजरंग

भागवतजी की आरती व व्यासजी का पूजन करके कथा का शुभारंभ किया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

गांव भूषण कलां में श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन सर्वप्रथम आचार्य अभय शर्मा व पंडित रामगोपाल दुबे ने मुख्य यजमान मदन लाल जसोरिया एंव मंजू देवी सहित समस्त जसोरिया परिवार द्वारा विधिविधान से सभी देवताओं का पूजन करवाया। वहीं भागवतजी की आरती व व्यासजी का पूजन करके कथा का शुभारंभ किया। आचार्य पंडित बजरंग शास्त्रीजी ने बताया कि श्रीमद् भागवत साक्षात नारायण का स्वरूप है और मुक्ति प्रदाता है। भागवत के आरंभ में सबसे पहले सत्य को प्रणाम किया गया है, क्योंकि सत्य में ही राम है, सत्य में ही कृष्ण है और सत्य में ही शिव है, इसलिये लिखा है सत्यम शिवम सुंदरम। उन्होंने बताया कि परिवार का पालन पोषण करना हमारा धर्म है, लेकिन हमारी हर एक श्वास में प्रभु का नाम स्मरण होता रहे, यही मानव जीवन का परम धर्म है। हम सभी को विश्वास के साथ निस्वार्थ भक्ति ही करनी चाहिए। क्योंकि यही मानव जीवन का परम धर्म है। भागवत में मुख्य रूप से भगवान के 24 अवतारों का वर्णन किया गया है। इसके बाद आचार्य ने व्यासजी के जन्म, शुकदेव जन्म और परीक्षित के जन्म, कलियुग आगमन, कुंती स्तुति, भीष्म पितामह द्वारा देह त्याग, राजा परीक्षित को संत के श्राप और शुकदेव आगमन की कथा सुनाई।

नारनौल। कथा सुनते ग्रामीण। फोटो:हरिभूमि

प्रभु का नाम स्मरण एवं पुण्य के कार्य भी अवश्य करें

आचार्य ने कहा कि मनुष्य को अपने घर और समाज के कार्य करते हुए प्रभु का नाम स्मरण एवं पुण्य के कार्य भी अवश्य करते रहने चाहिए। वो व्यक्ति धन्य होता है जो प्रभु का नाम स्मरण करता है और करवाता है, क्योंकि व्यक्ति दुनिया से विदा होकर जाता है, तब सब यही छोड़कर चला जाता है। केवल उसके पुण्य कर्म एवं भजन स्मरण और उसकी अछाई बुराई ही उसके साथ जाती है। इस मौके पर विकास जसोरिया, विशाल जसोरिया, मोतीलाल, जतिन कुमार, मयंक सैन, अमित जसोरिया, मनीष जसोरिया आदि उपस्थित रहें।

सार्वजनिक सूचना

मै ईष्टप्रीत सिंह पुत्र हरचरण सिंह वासी मोहल्ला गस्तीवाडा, नारनौल जिला महेंद्रगढ हरियाणा बयान करता हूं कि मेरी माता हरपाल कौर का देहान्त 18.10.2020 को हो गया है। उनके देहान्त के बाद उनके निम्न कानूनी वारिस हैं। 1. ईष्टप्रीत सिंह पुत्र। इनके अलावा इनके ओर कोई कानूनी वारिस नहीं है। इस बाबत किसी को कोई एतराज है तो वह 30 दिन के अन्दर अपना लिखित एतराज नगर परिषद कार्यालय में जमा करवाएं। उक्त शपथपत्र पूर्णतया सत्य है जिसकी सारी जिम्मेदारी मेरी होगी।

खबर संक्षेप

32 हजार महिलाओं ने कराया पंजीकरण

नारनौल। दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना अंत्योदय और नारी शक्ति को समर्पित है। प्रदेश के मुख्यमंत्री खुद लगातार इस योजना की समीक्षा करते हैं। ऐसे में जिला में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी पात्र महिला इस योजना से वंचित ना रहे। यह जानकारी उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर से इसी विषय को लेकर हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद दी।

राष्ट्रीय लोक अदालत 13 दिसंबर को लगेगी

नारनौल। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नरेंद्र सूरा के मार्गदर्शन में 13 दिसंबर को न्यायिक परिसर नारनौल, महेंद्रगढ़ व कनीना में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के हेल्पलाइन नंबर 01282-250322 पर भी फोन कर आमजन लोक अदालत व अन्य कानूनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

यूनियन ने सीडीपीओ को सौंपा ज्ञापन

मंडी अटेली। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका यूनियन सम्बंधित एआईयूटीयूसी खंड अटेली की ओर से ब्लाक प्रधान कृष्णा कुमारी की अगुवाई में सीडीपीओ कार्यालय अटेली के मार्फत महिला एवं बाल विकास विभाग पंचकूला के नाम ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर माया, सावित्री, श्वेता, रोशनी, भानुमति व सुनीता आदि उपस्थित रही।

38वें रक्तदान शिविर का आयोजन 29 को

महेंद्रगढ़। शहर की सामाजिक संस्था नेकी की दीवार निडी हेल्प ग्रुप एवं एमएलएस डीएवी पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वाधान में 29 अक्टूबर को 38वां विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक मनीष गोगिया ने बताया कि इस रक्तदान शिविर में सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार व पवन यादव मुख्यातिथि रहेंगे।

पंचायत में 13 सदस्यीय कमेटी का गठन, मौके पर विधायक कंवर व सांसद धर्मबीर के सामने फोन पर बताई समस्या

मोहल्ला खटीकान में एक माह में पहले हुई थी लाखों की रुपये की चोरी, कई बार पुलिस अधिकारियों से कर चुका मुलाकात, अब तक पीड़ित परिवार को मिला सिर्फ आश्वासन

- पंचायत में पुलिस की कार्यशैली पर उठाए सवाल, 2 दिन का दिया समय, कार्रवाई नहीं होने पर देंगे अनिश्चितकालीन धरना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

मोहल्ला खटीकान में एक माह पहले हुई लाखों रुपये की चोरी के मामले में पुलिस कार्रवाई न होने से नाराज लोगों ने शुक्रवार को पंचायत बुलाई। पंचायत में उपस्थित लोगों ने पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाते हुए दो दिन का अल्टीमेटम दिया। चेतावनी दी गई कि यदि निर्धारित समय में कार्रवाई नहीं हुई तो वे थाने के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू करेंगे।

महेंद्रगढ़। पंचायत में उपस्थित शहर के लोग।

वक्ताओं ने कहा कि चोरी की घटना को अब एक महीना बीत चुका है, लेकिन पुलिस जांच अब भी ठप है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस की ढिलाई और लापरवाही के कारण चोर खुलेआम घूम रहे हैं और लोगों में असुरक्षा का माहौल है। यह घटना 24-25 सितंबर की रात वार्ड नंबर 13, मोहल्ला खटीकान निवासी माया देवी पत्नी रवि दत्त के घर में हुई थी। अज्ञात चोर पिछली दीवार फांदकर घर में दाखिल हुए और कमरे में रखा एक लोहे का बक्सा उठा ले गए। बक्से में माया देवी और उनकी बेटी कविता के सोने-चांदी के जेवरात, लगभग 35 हजार रुपये नकद और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जैसे रजिस्ट्री, पासबुक, व आधार कार्ड रखे थे। चोरी हुए जेवरात की अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई जा रही है। घटना की सूचना के बाद शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज किया, लेकिन अब तक किसी भी आरोपी का सुराग नहीं मिला है। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि पीड़ित परिवार ने कई बार एसएचओ से लेकर एसपी से मुलाकात कर चुके है। लेकिन उन्हें हर बार केवल जांच जारी रहने का भरोसा ही मिला। वक्ताओं ने कहा कि यह कोई पहली चोरी नहीं है। पिछले कुछ महीनों में क्षेत्र में चोरी की घटनाएं बढ़ी हैं, लेकिन पुलिस किसी भी मामले का खुलासा नहीं कर पाई है। इससे आमजन में असंतोष और भय दोनों बढ़ रहा है। लोगों ने कहा कि अगर प्रशासन और पुलिस ने इस बार भी मामले को अनदेखा किया है। इस मौके पर पार्षद सुरेंद्र फौजी, पार्षद मुकेश फौजी, रवि कुमार, संतोष देवी, हीरालाल, कन्हैयालाल मौजूद थे।

अब 13 सदस्यों की कमेटी आगे की रणनीति तय करेगी

पंचायत में एक 13 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है, जो आगे की रणनीति तय करेगी। इस दौरान उपस्थित लोगों ने विधायक कंवर सिंह यादव और सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह से फोन पर बात कर अपनी समस्या बताई और उनसे हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने कहा कि पुलिस को समय रहते चोरी का खुलासा करना चाहिए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और लोगों का भरोसा पुलिस व्यवस्था पर बना रहे। उन्होंने कहा कि यदि 48 घंटे में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो वे धरना-प्रदर्शन शुरू करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। गठित की गई कमेटी मनोनीत पार्षद मुकेश खटीक, पार्षद प्रतिनिधि हरीराम खन्ना, पार्षद सुरेंद्र फौजी, पूर्व पार्षद नरेंद्र खन्ना, गोपाल खन्ना, इंद्र खन्ना, प्रेम हंस चौहान, रवि चौहान, राजकुमार चौहान, मास्टर सुलतान सिंह, संतोष चौहान आदि मौजूद थे।

स्टेट रजिस्ट्रार के स्टे के बाद भी सुनाया गया फैसला गलत

रजिस्ट्रार ने संस्थापक सदस्यों को बिना निवार्चन के कॉलेजियम सदस्य माना

- यादव सभा महेंद्रगढ़ का चुनावी विवाद

इस पर दूसरे पक्ष ने रजिस्ट्रार की कार्यशैली पर उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

यादव सभा महेंद्रगढ़ के चुनावी विवाद में शुक्रवार को जिला रजिस्ट्रार (फर्म्स एंड सोसाइटीज) नारनौल द्वारा दोनों पक्षों की सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान जिला रजिस्ट्रार ने सभा के संस्थापक संदस्यों को बिना निवार्चन के कॉलेजियम का सदस्य माना है। सुनवाई के बाद जारी आदेश को लेकर कॉलेजियम का चुनाव हिस्सा रहने वाले संस्थापक सदस्यों ने कड़ी आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि जिला रजिस्ट्रार का फैसला पूरी तरह पक्षपातपूर्ण है तथा यादव सभा के प्रभाव में आकर दिया गया है। संस्थापक सदस्यों ने आरोप लगाया कि जिला रजिस्ट्रार ने एक तरफ यह कहा कि सांसद या संस्थापक सदस्यों को कॉलेजियम के बराबर का दर्जा देना कानून में नहीं है, वहीं दूसरी ओर उन्हें कॉलेजियम के बराबर अधिकारों का आदेश जारी कर दिया।

महेंद्रगढ़। यादव सभा भवन।

संस्थापक सदस्यों का कहना है कि यह विरोधाभासी फैसला दर्शाता है कि आदेश दबाव या मिलीभगत में जारी किया गया है। बता दें कि जिला रजिस्ट्रार फर्म्स एंड सोसाइटीज की ओर से जारी शेड्यूल के अनुसार 26 सितंबर को कॉलेजियम के मतदाताओं की सूची जारी की गई थी। जिसके अनुसार 27 सितंबर से 11 अक्टूबर तक मतदाता सूची में आपत्ति दर्ज कराने का समय निर्धारित था। इसके बाद 14 अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की गई। नामांकन पत्र भरने की तिथि 14 से 16 अक्टूबर तय की गई थी। वहीं 19 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच की गई। नामांकन वापसी की अंतिम तिथि 24 अक्टूबर निर्धारित थी। लेकिन 22 अक्टूबर को संस्थापक सदस्यों के शिष्टमंडल ने जिला रजिस्ट्रार के पारित आदेश में खामियों को आधार बनाकर स्टेट रजिस्ट्रार को अपील की थी। जिस पर जिला रजिस्ट्रार ने मुख्य चुनाव अधिकारी की ओर से तय दिशानिर्देशों में तब्दीली कर नामांकन शुरू होने के अगले दिन एक आदेश पारित किया, जिससे सभा के सदस्यों में रोष पैदा हो गया। चुनावी प्रक्रिया के बीच में इस प्रकार के आदेश से समाज में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई और धीरे धीरे चुनावी प्रक्रिया के खिलाफ रोष उत्पन्न हो गया। संस्थापक सदस्यों के शिष्टमंडल में शामिल चेयरमैन सुरेंद्र बैरावास, प्रवीण सिसोठ, अनिल भगड़ाना व एडवोकेट सुरेंद्र सीगडा ने बताया कि इसी संदर्भ में सभा के संस्थापक सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने गत बुधवार को भी एक बैठक कर जिला एवं स्टेट रजिस्ट्रार को वर्तमान चुनावी प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की थी। स्टेट रजिस्ट्रार के इस अंतरिम आदेश से यादव सभा के संस्थापक सदस्यों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए यादव सभा की गवर्निंग बॉडी सर्वसम्मति से बनाने की बात को दोहराया तथा पूर्वजों की ओर से स्थापित की गई इस परंपरा का सभी को पालन करने की नसीहत भी दी। इसके बाद स्टेट रजिस्ट्रार की ओर से चुनाव प्रक्रिया पर रोक लगाते हुए 24 नवंबर को सुनवाई के आदेश जारी किए गए थे।

कॉलेजियम के हिस्सा रहे संस्थापकों ने उठाए यह सवाल

जिला रजिस्ट्रार द्वारा पूर्व में जारी स्थगन आदेश के बावजूद नए आदेश कैसे पारित कर दिए गए, यह अपने आप में एक गंभीर और विचारणीय विषय है। सुनवाई के दौरान जिला रजिस्ट्रार ने स्वयं यह स्वीकार किया कि संस्थापक सदस्य केवल पंजीकरण के समय के सदस्य ही माने जाते हैं। सभा के पदाधिकारियों ने यह माना कि उन्हें संस्थापक सदस्यों के संबंध में पूर्ण जानकारी नहीं थी, जो संगठनात्मक पारदर्शिता पर प्रश्न उठाता है। सभा की कार्यकारिणी द्वारा समाज के लोगों को गुमराह कर, उन्हें संस्थापक सदस्य बताकर चंदा वसूला गया, जो एक गंभीर अनियमितता है। ऐसा प्रतीत होता है कि जिला रजिस्ट्रार का रवैया दोहरे मापदंडों वाला है तथा कुछ लेन-देन के कारण समाज में आपसी भाईचारा खराब हो रहा है। संस्थापक सदस्य समूह ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए।

महेंद्रगढ़। रंगोली बनाती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

मॉडर्न स्कूल में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

मॉडर्न वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भोजावास में कक्षा सजावट, रंगोली, कार्ड मेकिंग, थाली सजावट आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कक्षा सजावट प्रतियोगिता कक्षा तीसरी से लेकर 12वीं कक्षाओं तक करवाई गई। रंगोली प्रतियोगिता वरिष्ठ वर्ग में नौवीं से 12वीं कक्षाओं के बीच करवाई गई। वहीं थाली सजावट प्रतियोगिता कक्षा छठी से आठवीं तक करवाई गई। कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता कक्षा तीसरी से पांचवीं तक करवाई गई। रंगोली प्रतियोगिता में गंगा सदन प्रथम, कृष्णा सदन ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। वरिष्ठ वर्ग की कक्षा सजावट प्रतियोगिता में नौवीं अचीवर ने प्रथम, 10वीं अल्फा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। कनिष्ठ वर्ग की कक्षा सजावट प्रतियोगिता में सातवीं अचीवर ने प्रथम, आठवीं अल्फा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। उप कनिष्ठ वर्ग की कक्षा सजावट प्रतियोगिता में पांचवीं अचीवर प्रथम व चौथी अल्फा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। कनिष्ठ वर्ग की थाली सजावट प्रतियोगिता में छठी अचीवर से मोनिका ने प्रथम, निशु व दीक्षा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। छठी अल्फा से थाली सजावट प्रतियोगिता में जीया ने प्रथम व जानवी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। सातवीं अचीवर में थाली सजावट प्रतियोगिता में परी प्रथम व तन्वी दूसरे स्थान पर रही। सातवीं अल्फा से थाली सजावट में नैंसी प्रथम, विभा व कल्पना द्वितीय रहीं।

प्रोत्साहित किया

प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल में डीएड विभागाध्यक्ष हरिओम वर्मा, गतिविधि प्रभारी अंजलि शर्मा, अनुराधा आदि शामिल थे। प्रतिभागियों को संस्था के निदेशक राजकुमार यादव, हवासिंह यादव, मनोज कुमार, नवीन कुमार, प्राचार्य अनिल कुमार, वरिष्ठ अध्यापक रामसिंह वरिष्ठ अध्यापिका शकुंत ने प्रोत्साहित किया।

पिता-पुत्र की मौत से आहत केंद्रीय मंत्री राव ने पीड़ित परिवार को दी हिम्मत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने खातौली अहीर में सरपंच बिक्रम सिंह के घर जाकर दिवंगत पिता-पुत्र को श्रद्धांजलि अर्पित की। शोकाकुल परिवार को हिम्मत दी तथा हर संभव साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया और कहा कि भगवान ने इंसान को जितने सांस दिए हैं, उससे ज्यादा लेना संभव नहीं, लेकिन अच्छे कर्मों की बदौलत नेक दिल इंसान लोगों के दिलों में हमेशा जीवित रहते हैं।

इस दौरान उन्होंने दिवंगत रोहित कुमार के पिता बिक्रम सरपंच का हौसला बंधाकर परिवार को संभालने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जन्म लेते ही इंसान का मृत्यु निश्चित हो जाती है। विधाता ने प्रत्येक इंसान को गिनती की सांस दे रखी हैं, सांस जैसे ही पूरी होती हैं तो शहीर को छोड़ना पड़ता है। इस अवधि में अच्छे कर्मों से लोगों की दिलों में जगह बनानी चाहिए, क्योंकि लोगों के दिलों में बनाई गई इज्जत जीवनभर जीवित रहती है। बिक्रम सरपंच का छोटा पुत्र रोहित कुमार शुरूआत से धार्मिक संस्कारों से ओत-प्रोत रहा है। दैनिक दिनचर्या में उन्होंने परोपकार व ईमानदारी का समावेश करके जनसेवा को प्राथमिकता दी है। 16 अक्टूबर को सड़क हादसे में हुई दर्दनाक मौत से पूरा हलका गमगीन है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बिक्रम सरपंच कर्मठ कार्यकर्ता है तथा इसके दुख में दृढ़ता से साथ खड़ा रहूंगा। इस दौरान भाजपा के पूर्व जिला प्रधान दयाराम यादव, विकास बड़कोदा एवं राजपाल भुंगारका इत्यादि मौजूद रहे।

नांगल चौधरी। शोकाकुल परिवार को सांत्वना देते केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह।

नारायण मेडिकल कॉलेज वेस्ट बंगाल में मिला प्रवेश

बीआर ज्ञानदीप विद्यालय की खुशबू का एमबीबीएस में चयन

- विद्यालय के प्राचार्य रामवीर यादव व विद्यालय के चेयरमैन रूपराम यादव ने खुशबू को बधाई दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव मोहल्डा की प्रतिभाशाली छात्रा खुशबू पुत्री राजकुमार ने हाल ही में सम्पन्न हुई मेडिकल काउंसलिंग में शानदार सफलता प्राप्त करते हुए महाराज जितेंद्र नारायण मेडिकल कॉलेज वेस्ट बंगाल में एमबीबीएस कोर्स में प्रवेश प्राप्त किया है। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र और विद्यालय के लिए गर्व का विषय है।

खुशबू ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा बीआर ज्ञानदीप विद्यालय सुरजनवास से प्राप्त की। विद्यालय के प्राचार्य रामवीर यादव व विद्यालय के चेयरमैन रूपराम यादव ने खुशबू को इस सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय के उच्च शैक्षिक स्तर और विद्यार्थियों की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि खुशबू जैसी प्रतिभाशाली छात्राएं समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, जो यह संदेश देती हैं कि दृढ़ निश्चय और सतत प्रयास से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

विद्यालय परिवार ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आने वाले समय में खुशबू एक कुशल डॉक्टर बनकर देश की सेवा करेंगी।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में यूएनओ को और अधिक प्रासंगिक होना होगाः डॉ संजय शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अकबरपुर में 'संयुक्त राष्ट्र दिवस' के अवसर पर राजनीति विज्ञान प्रयोगशाला में एक विचारोत्तेजक व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। विद्यालय प्रवक्ता महेंद्र सिंह यादव ने बताया कि यूएनओ दिवस पर आयोजित व्याख्यान का विषय था "आठ दशक उपरांत संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता"। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्या सीमा यादव ने की, जबकि संचालन राजनीति विज्ञान प्रवक्ता डॉ संजय शर्मा द्वारा किया गया। व्याख्यान सत्र में शिक्षकों एवम विद्यार्थियों ने संयुक्त राष्ट्र संगठन की स्थापना, उद्देश्यों और वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में उसकी भूमिका पर विचार रखे। राजनीति विज्ञान प्रवक्ता डॉ संजय शर्मा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संगठन ने विश्व शांति, मानवाधिकार, पर्यावरण संरक्षण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए हैं। प्राचार्या सीमा यादव ने कहा कि यूएन ने कई अवसरों पर युद्ध रोकने और मानवीय सहायता पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब समय है कि संयुक्त राष्ट्र अपने ढांचे में सुधार कर विकासशील देशों को अधिक प्रतिनिधित्व दे।"

नारनौल। यूएनओ दिवस पर आयोजित व्याख्यान में बोलते डॉ. संजय शर्मा

संयुक्त राष्ट्र विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

व्याख्यान के पश्चात संयुक्त राष्ट्र विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रवक्ता दिनेश गांधी ने विद्यार्थियों को बधाई दी। कार्यक्रम में प्रवक्ता विजय कुमार और रामनिवास ने भी अपने विचार रखते हुए अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में सयुंक्त राष्ट्र संघ के महत्व को सराहा। इस मौके पर विद्यालय स्टाफ से सीमा यादव, दिनेश गांधी, विजय कुमार, डॉ संजय शर्मा, रामनिवास, महेन्द्र सिंह के अतिरिक्त अनेक विद्यार्थी मौजूद रहे।

प्रशासनिक चूक पर मुहर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भुंगारका और ढाणी मामराज में जलपान कार्यक्रम में की शिरकत

निलंबित सरपंच का चार्ज लेने से पंचों का इंकार, एकजुटता दिखाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

भुंगारका के पंचों ने निलंबित सरपंच का चार्ज लेने से इंकार करके एकजुटता की ऐसी मिशाल कायम कर दी, जिसका प्रदेश के इतिहास में दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। पंचों की एकजुटता ने साबित कर दिया कि सरपंच राजेंद्र प्रसाद प्रशासनिक चूक का शिकार हुआ है। ग्रामीणों का उत्साहवर्धन करने तथा पंचायत प्रतिनिधियों को प्रोत्साहित करने के लिए जलपान कार्यक्रम आया हूं। उक्त विचार केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने भुंगारका में आयोजित जलपान कार्यक्रम में व्यक्त किए हैं। विकास कार्यों को अमलीजामा पहनाने के दौरान भुंगारका में विवाद हो गया था, जिसमें सरपंच को आरोपित साबित करके जेल में बंद कर दिया गया था। इसके बाद जिला प्रशासन ने सरपंच को निलंबित करके बहुमत वाले पंच को चार्ज देने के आदेश पारित किए थे। इसके लिए सभी पंचों को पर्सनली नोटिस दिए गए तथा बीडीपीओ, एसडीएम और उपायुक्त ने कार्रवाई का डर दिखाकर चार्ज लेने का दबाव बनाया था। सभी पंचों ने एकजुट होकर चार्ज लेने से इंकार कर दिया। तर्क दिया कि सरपंच ने पंचायत की प्रोपर्टी को बचाने का काम किया है। प्रशासन ने राजनीतिक दबाव में एकतरफा कार्रवाई करके सरपंच को फंसाया है। पंचों की ऐसी एकजुटता लंबे राजनीतिक कैरियर में नहीं देखी। ग्रामीणों को प्रोत्साहित करने के लिए राजेंद्र प्रसाद के घर जलपान मंजूर किया है। उन्होंने कहा कि भुंगारका बड़ा गांव है। यहां के लोग जागरूक और स्वाभिमानी हैं। जो निर्भीक होकर सच्चाई का साथ देते हैं। उन्होंने ढाणी मामराज में दिनेश मास्टर के आवास पर जलपान किया। वहां पर कहा कि महेंद्रगढ़ का लंबे समय तक प्रतिनिधित्व किया है। युवाओं को आगे बढ़ाने व संगठन मजबूत करने की योजना पर काम करेंगे। दिनेश मास्टर 25 साल से सहयोगी है व विषम परिस्थितियों में आवाज को बुलंद करता है। मौके पर भाजपा के पूर्व जिला प्रधान दयाराम यादव, पूर्व प्रदेश सचिव मनीष मित्तल, पूर्व मंडल प्रधान पूर्णचंद गोठड़ी, रामसिंह सैनी प्रधान, मंदीप एडवोकेट, इंद्राज गांधी सरपंच, पवन सरपंच, मिंटू जांगड़ा, कै. रामेश्वर पहलवान, विवेक बिगोपुर, नारनौल मार्केट कमेटी के चेयरमैन बाबूलाल पटीकरा, संदीप नीरपुर, छत्रपाल रावत व अनिल मांदी मौजूद रहे।

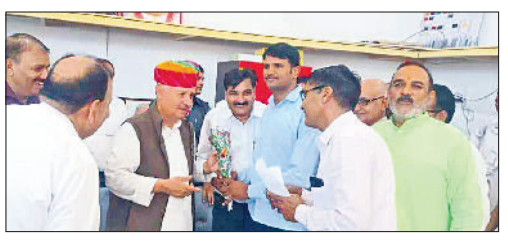

नांगल चौधरी। भुंगारका में राजेंद्र सरपंच के आवास पर जलपान कार्यक्रम में संबोधन करते केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह व कार्यक्रम में उपस्थित भारी जनसमूह।

राव ने दिनेश मास्टर की पीठ थपथपाई

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने दिनेश मास्टर की पीठ थपथपाते हुए कहा कि कर्मठ कार्यकर्ता की अहमियत विधायक या मंत्री से कम नहीं। क्योंकि कार्यकर्ता ही पार्टी और राजनेता की रीढ़ होते हैं, जिनके परिश्रम से सत्ता तक पहुंचना संभव होता है। नांगल चौधरी हलके की जनता ने हमेशा उनका साथ दिया है। इससे पहले श्रीकृष्ण सीनियर सकेंडरी स्कूल में केंद्रीय मंत्री का अभिनंदन किया गया।

सांसद खेल महोत्सव की तैयारियों पर की बैठक

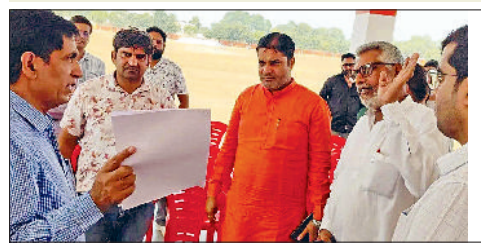

नारनौल। खेल स्टेडियम की तैयारियों का जायजा लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। आगामी सांसद खेल महोत्सव फिट युवा, विकसित भारत की तैयारियों को लेकर एसडीएम डॉ. जितेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में गांव दौंगड़ा अहीर के खेल परिसर में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में एक नवंबर को होने वाले सांसद खेल महोत्सव के सफल आयोजन के लिए विभागवार तैयारियों की समीक्षा की गई। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं जैसे खेल मैदान की तैयारी, खिलाड़ियों के लिए सुविधाएं, पेयजल, चिकित्सा व सुरक्षा इंतजाम आदि समय पर पूरे किए जाएं।

महोत्सव में होंगी विविध खेल प्रतियोगिताएं

सांसद खेल महोत्सव का आयोजन खेल स्टेडियम दौंगड़ा अहीर में किया जाएगा। इस मौके पर खेल महोत्सव के प्रोटोकॉल संयोजक संदीप मालड़ा, एसएमओ डॉ. रेनू वर्मा, बीडीपीओ सिहमा सचिन, कनीना खंड शिक्षा अधिकारी दिलबाग सिंह, अटेली खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार, डीएसओ नरेंद्र कुंडू, पंचायत समिति चेयरमैन जयप्रकाश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।